



Sample

05 Mar 1987

07:15 AM

Jeypore

Model: Shani-Sadesati-Report

Order No: 112920

शुद्धभाषण

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती है। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

লিঙ্গ _____: পুরুষ
জন্ম তারিখ _____: 05/03/1987
দিন _____: বৃহস্পতিবার
জন্ম সময় _____: 07:15:00 ঘন্টা
ইন্ট _____: 02:25:22 ঘটা
স্থান _____: Jeypore
রাজ্য _____: Odisha
দেশ _____: India

অক্ষাংশ _____: 18:51:38 উত্তর
রেখাংশ _____: 82:33:03 পূর্ব
মধ্য রেখাংশ _____: 82:30:00 পূর্ব
স্থানীয় সংস্কার _____: 00:00:12 ঘন্টা
গ্রীষ্ম সংস্কার _____: 00:00:00 ঘন্টা
স্থানীয় সময় শোধন _____: 07:15:12 ঘন্টা
বেলাান্তর _____: -00:11:41 ঘন্টা
সাম্পাতিক কাল _____: 18:04:20 ঘন্টা
সূর্যোদয় _____: 06:16:51 ঘন্টা
সূর্যাস্ত _____: 18:06:18 ঘন্টা
দিনমান _____: 11:49:28 ঘন্টা
সূর্য স্থিতি -অয়ন _____: উত্তরায়ণ
সূর্য স্থিতি -গোল _____: দক্ষিণ
ঋতু _____: বসন্ত
সূর্য ডিগ্রী _____: 20:16:24 কুন্ড
লগ্ন ডিগ্রী _____: 07:42:26 মীন

অবকহড়া চক্র
লগ্ন-লগ্নাধিপতি _____: মীন - বৃহস্পতি
রাশি-স্বামী _____: মেঘ - মঙ্গল
নক্ষত্র-চরণ _____: ভরণী - 3
নক্ষত্র-স্বামী _____: শুক্র
যোগ _____: ঐন্দ্র
করণ _____: কৌলব
গণ _____: নর
যোনি _____: গজ
নাড়ী _____: অন্ত
বর্ণ _____: ক্ষত্রিয়
বশ্য _____: চতুষ্পদ
বর্গ _____: মৃগ
যুগ্ম _____: পূর্ব
হংসক _____: অগ্নি
জন্ম নামাঙ্কর _____: লে-লেখপাল
পায়া/রাশি-নক্ষত্র _____: রৌপ্য - স্বর্ণ
সূর্য রাশি-পাশ্চাত্য _____: মীন

পঞ্জিকা

পিতামহের নাম _____ :
বাবার নাম _____ :
মায়ের নাম _____ :
জাতি _____ :
গোত্র _____ :

| ক্যালেন্ডার | বর্ষ | মাস | তিথি/প্রবিশ্ট |
|-------------|---------------|---------|---------------|
| রাষ্ট্রীয় | শক : 1908 | ফাল্গুন | 14 |
| পাঞ্জাবী | সম্বৎ : 2043 | ফাল্গুন | 22 |
| বাংলা | সন্ : 1393 | ফাল্গুন | 20 |
| তামিল | সম্বৎ : 2043 | মাসি | 21 |
| কেরালা | কোল্লম : 1162 | কুন্তম্ | 21 |
| নেপালী | সম্বৎ : 2043 | ফাল্গুন | 21 |
| চৈত্রাদি | সম্বৎ : 2043 | ফাল্গুন | শুক্ল 6 |
| কার্তিকাদি | সম্বৎ : 2043 | ফাল্গুন | শুক্ল 6 |

পঞ্জিকা

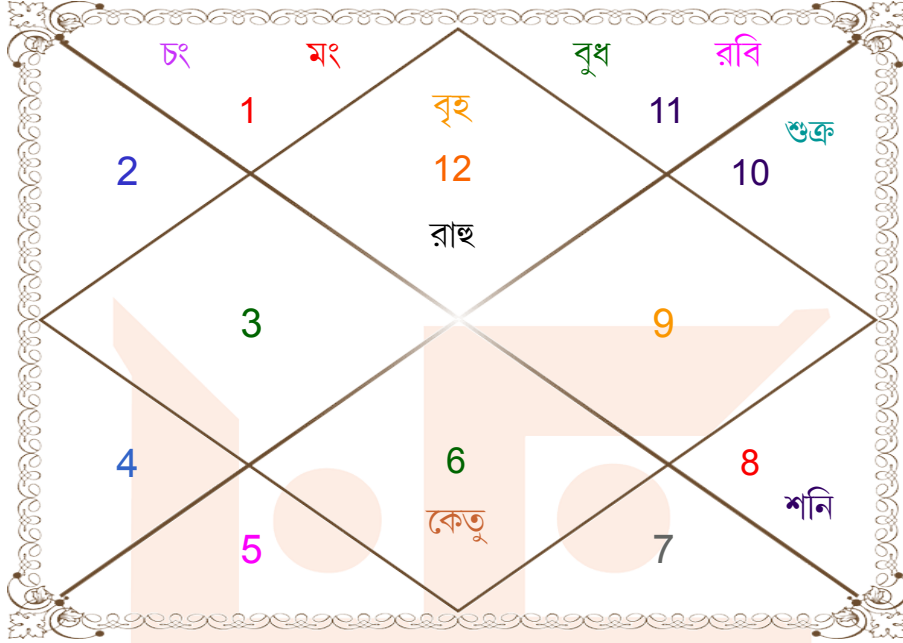
সূর্যোদয় কালীন তিথি _____ : 6
তিথির সমাপ্তিকালীন _____ : 26:35:25
জন্ম তিথি _____ : 6
সূর্যোদয় কালীন নক্ষত্র _____ : ভরণী
নক্ষত্র সমাপ্ত কাল _____ : 14:08:07 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : ভরণী
সূর্যোদয় কালীন যোগ _____ : ঐন্দ্র
যোগ সমাপ্ত কাল _____ : 13:08:03 ঘন্টা
জন্মকালীন যোগ _____ : ঐন্দ্র
সূর্যোদয় কালীন করণ _____ : কৌলব
করণ সমাপ্ত কাল _____ : 13:54:48 ঘন্টা
জন্মকালীন করণ _____ : কৌলব
ভয়ৎ _____ : 46:15:42
ভাবক _____ : 63:28:30
ভোগ্য দশা _____ : শুক্র 5 ব 4 মা 13 দি

ঘাত চক্র

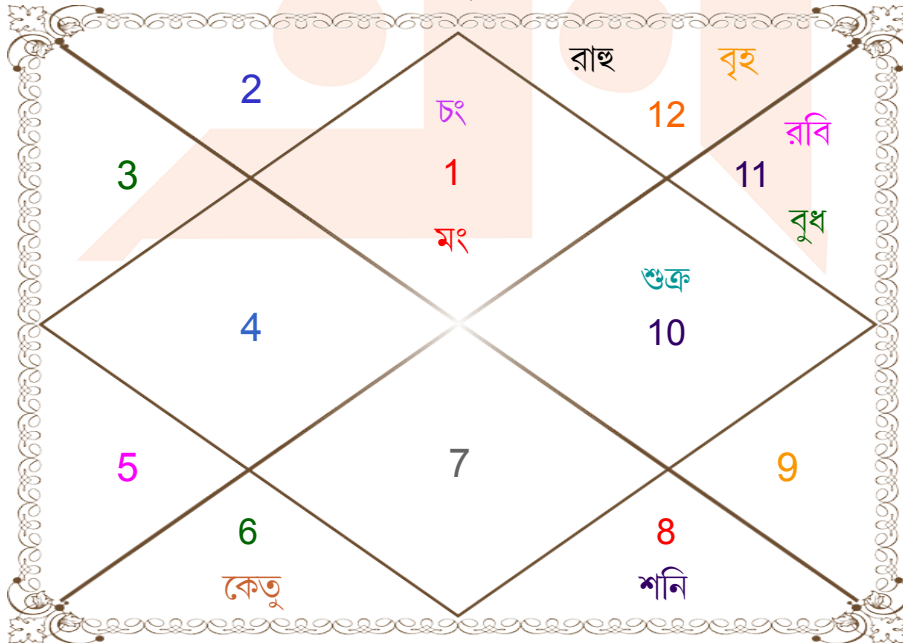
মাস _____ : কার্তিক
তিথি _____ : 1-6-11
দিন _____ : রবিবার
নক্ষত্র _____ : মঘা
যোগ _____ : বিষ্কুন্ত
করণ _____ : বব
প্রহর _____ : 1
বর্গ _____ : সিংহ
লগ্ন _____ : মেঘ
সূর্য _____ : কর্কট
চন্দ্র _____ : মেঘ
মঙ্গল _____ : সিংহ
বুধ _____ : বুধ
বৃহস্পতি _____ : কন্যা
শুক্র _____ : তুলা
শনি _____ : মিতুন
রাহু _____ : বৃশ্চিক

জন্ম কুন্ডলী

নগ্ন কুন্ডলী



চন্দ্র কুন্ডলী



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

| | | | |
|------------------|----------|--|------|
| राह लं बुह | मं चं | | |
| बुध रवि | | | |
| शुक्र | | | |
| | शनि | | केतु |

लग्न कुण्डली

| | | | |
|------|----------|-----------|-------------------|
| | मं चं | बुह लं | राह बुध रवि |
| | | | शुक्र |
| | | | |
| केतु | | | शनि |

बिंशोत्तरी

शुक्र 5व 4मा 13दि

शुक्र

05/03/1987

17/07/2092

| | |
|----------|------------|
| शुक्र | 17/07/1992 |
| रवि | 18/07/1998 |
| चन्द्र | 17/07/2008 |
| मङ्गल | 18/07/2015 |
| राह | 17/07/2033 |
| बृहस्पति | 17/07/2049 |
| शनि | 17/07/2068 |
| बुध | 17/07/2085 |
| केतु | 17/07/2092 |

योगिनी

भद्रिका 1व 4मा 3दि

भद्रिका

08/07/2019

07/07/2024

| | |
|---------|------------|
| भद्रिका | 18/03/2020 |
| उल्का | 16/01/2021 |
| सिद्धा | 06/01/2022 |
| सङ्कटा | 16/02/2023 |
| मङ्गला | 08/04/2023 |
| पिङ्गला | 18/07/2023 |
| धान्या | 17/12/2023 |
| भ्रामरी | 07/07/2024 |

গ্রহের ডিগ্রী এবং তার অবস্থান

| গ্রহ | ব | অ | রাশি | ডিগ্রী | গতি | নক্ষত্র | পদ | সংখ্যা | রা | ন | অ. | স্থিতি |
|---------|---|---|--------|----------|-----------|-------------|----|--------|-------|-------|-------|-----------|
| লং | | | মীন | 07:42:26 | 461:48:07 | উ ভাদ্রপদ | 2 | 26 | বৃহ | শনি | কেতু | --- |
| রবি | | | কুম্ভ | 20:16:24 | 01:00:08 | পূ ভাদ্রপদ | 1 | 25 | শনি | বৃহ | বৃহ | শত্রুরাশি |
| চং | | | মেঘ | 23:05:13 | 12:31:19 | ভরণী | 3 | 2 | মং | শুক্র | শনি | সমরাশি |
| মং | | | মেঘ | 14:53:27 | 00:41:07 | ভরণী | 1 | 2 | মং | শুক্র | শুক্র | স্বরাশি |
| বুধ | ব | অ | কুম্ভ | 09:35:27 | 00:50:10 | শতভিষা | 1 | 24 | শনি | রাহু | বৃহ | সমরাশি |
| বৃহ | | | মীন | 06:52:00 | 00:14:15 | উ ভাদ্রপদ | 2 | 26 | বৃহ | শনি | বুধ | স্বরাশি |
| শুক্র | | | মক | 08:21:49 | 01:10:19 | উত্তরাষাঢ়া | 4 | 21 | শনি | রবি | শুক্র | মিত্ররাশি |
| শনি | | | বৃশ্চি | 26:55:11 | 00:02:34 | জ্যেষ্ঠা | 4 | 18 | মং | বুধ | বৃহ | শত্রুরাশি |
| রাহু | | | মীন | 18:06:07 | 00:01:49 | রেবতী | 1 | 27 | বৃহ | বুধ | বুধ | সমরাশি |
| কেতু | | | কন্যা | 18:06:07 | 00:01:49 | হস্তা | 3 | 13 | বুধ | চং | বুধ | শত্রুরাশি |
| ইউ | | | ধনু | 02:43:48 | 00:01:24 | মূলা | 1 | 19 | বৃহ | কেতু | শুক্র | --- |
| নেপ | | | ধনু | 13:58:12 | 00:01:10 | পূর্বাষাঢ়া | 1 | 20 | বৃহ | শুক্র | শুক্র | --- |
| প্লু | ব | | তুলা | 16:09:53 | 00:00:44 | স্বাতী | 3 | 15 | শুক্র | রাহু | শুক্র | --- |
| দশম ভাব | | | ধনু | 07:18:56 | -- | মূলা | -- | 19 | বৃহ | কেতু | রাহু | -- |

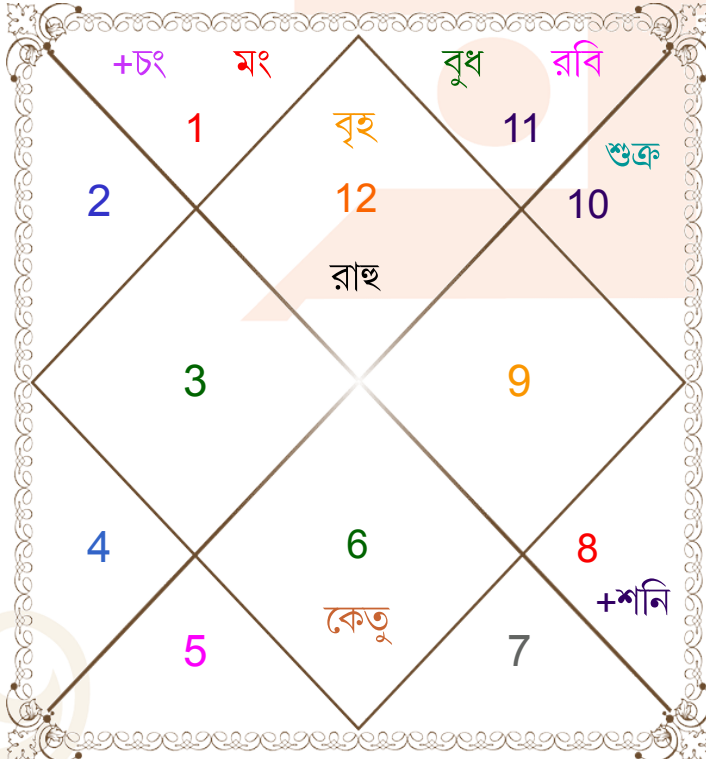
ব - বক্রী স - স্থির

অ - অস্ত পূ - পূর্ণ অস্ত

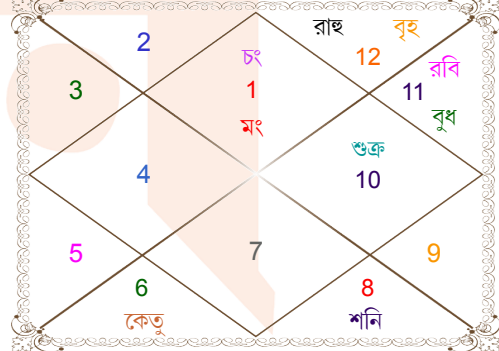
রাহু : স্পর্শ

লাহিড়ী অয়নাংশ : 23:40:37

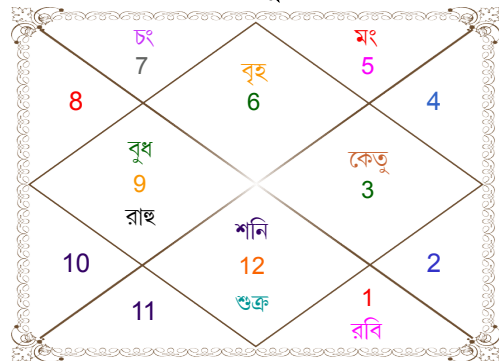
লগ্ন চলিত



চন্দ্র কুন্ডলী



নবাংশ কুন্ডলী



চলিত এবং নিরয়ন ভাব চলিত

চলিত ডিগ্রী

| ভাব | ভাব সন্ধি | ভাব মধ্য |
|-----|-----------|----------|
| 1 | কুন্ড | 22:38:31 |
| 2 | মীন | 22:38:31 |
| 3 | মেঘ | 22:30:41 |
| 4 | বৃষ | 22:22:51 |
| 5 | মিথুন | 22:22:51 |
| 6 | কর্কট | 22:30:41 |
| 7 | সিংহ | 22:38:31 |
| 8 | কন্যা | 22:38:31 |
| 9 | তুলা | 22:30:41 |
| 10 | বৃশ্চিক | 22:22:51 |
| 11 | ধনু | 22:22:51 |
| 12 | মকর | 22:30:41 |

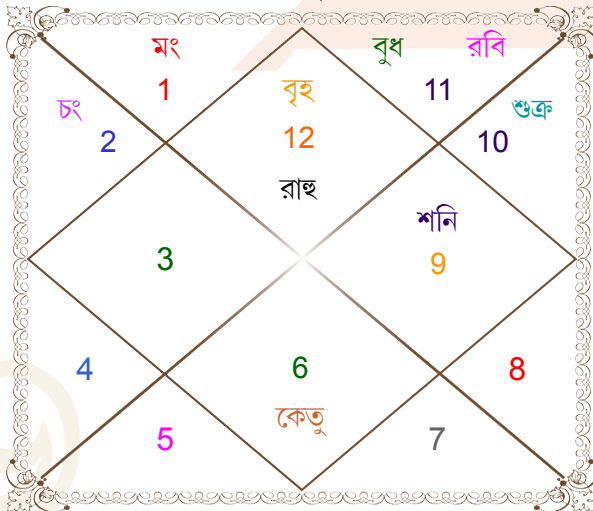
নিরয়ন ভাব চলিত

| ভাব | রাশি | ডিগ্রী |
|-----|---------|----------|
| 1 | মীন | 07:42:26 |
| 2 | মেঘ | 12:55:36 |
| 3 | বৃষ | 11:51:35 |
| 4 | মিথুন | 07:18:56 |
| 5 | কর্কট | 02:53:22 |
| 6 | সিংহ | 02:09:19 |
| 7 | কন্যা | 07:42:26 |
| 8 | তুলা | 12:55:36 |
| 9 | বৃশ্চিক | 11:51:35 |
| 10 | ধনু | 07:18:56 |
| 11 | মকর | 02:53:22 |
| 12 | কুন্ড | 02:09:19 |

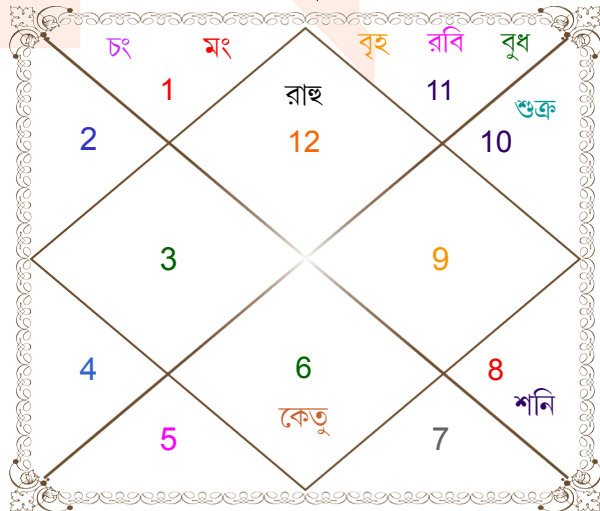
তারা চক্র

| জন্ম | সম্পত | বিপত | ক্ষেম | প্রত্যারি | সাধক | বধ | মিত্র | অতিমিত্র |
|-------------|-------------|--------|---------|-----------|------------|-----------|----------|----------|
| ভরণী | কৃত্তিকা | রোহিণী | মৃগশিরা | আর্দ্রা | পুনর্বসু | পুষ্যা | অশ্লেষা | মঘা |
| পূ ফাল্গুনী | উ ফাল্গুনী | হস্তা | চিত্রা | স্বাভী | বিশাখা | অনুরাধা | জ্যেষ্ঠা | মূলা |
| পূর্বাষাঢ়া | উত্তরাষাঢ়া | শ্রবণা | ধনিষ্ঠা | শতভিষা | পূ ভাদ্রপদ | উ ভাদ্রপদ | রেবতী | অশ্বিনী |

চলিত কুন্ডলী



ভাব কুন্ডলী



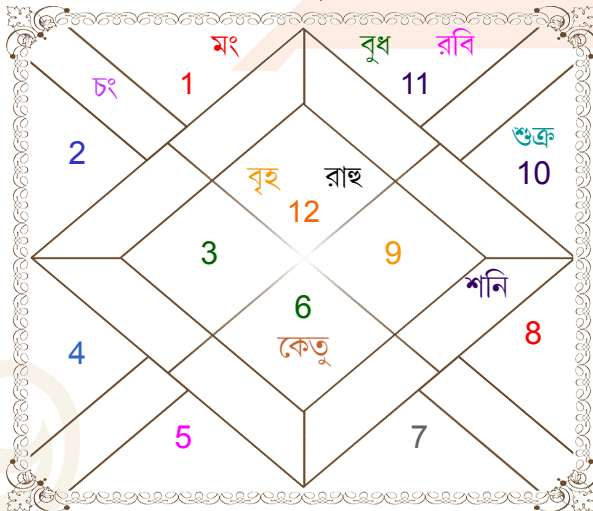
কারক, অবস্থা, রশ্মি

| গ্রহ | কারক | | | অবস্থা | | | গ্রহ বল |
|------------|--------|--------|--------|-----------|-------------|--------------|---------|
| | চর | স্থির | বালাদি | দীপ্তাদি | শয়নাদি | রশ্মি | |
| রবি | ভ্রাতৃ | পিতৃ | বৃদ্ধ | কাল | কৌতুক | 7.24 | 16 % |
| চং | অমাত্য | মাতৃ | বৃদ্ধ | শান্ত | আগম | 4.25 | 73 % |
| মং | মাতৃ | ভ্রাতৃ | যুবা | স্বাস্থ্য | নৃত্যলিপ্সা | 4.30 | 49 % |
| বুধ | পুত্র | জ্ঞাতি | কুমার | বিকল | প্রকাশ | 0.00 | 36 % |
| বৃহ | কূলত্র | ধন | বৃদ্ধ | স্বাস্থ্য | নৃত্যলিপ্সা | 3.61 | 46 % |
| শুক্র | জ্ঞাতি | কূলত্র | বৃদ্ধ | মুদিত | নৃত্যলিপ্সা | 6.01 | 59 % |
| শনি | আত্ম | আয়ুষ- | বাল্য | কাল | নৃত্যলিপ্সা | 1.59 | 42 % |
| রাহু | --- | জ্ঞান | কুমার | নিপীড়িত | প্রকাশ | 0.00 | 30 % |
| কেতু | --- | মোক্ষ | কুমার | কাল | নৃত্যলিপ্সা | 0.00 | 30 % |
| মোট | | | | | | 26.99 | |

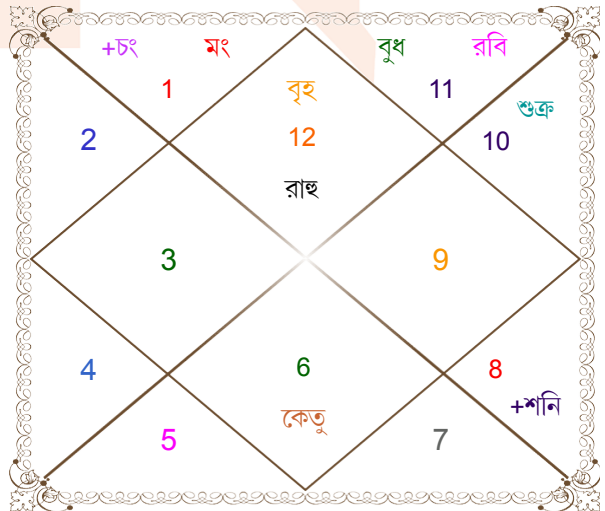
তারা চক্র

| জন্ম | সম্পত | বিপত | ক্ষেম | প্রত্যারি | সাধক | বধ | মিত্র | অতিমিত্র |
|-------------|-------------|--------|---------|-----------|------------|-----------|----------|----------|
| ভরণী | কৃত্তিকা | রোহিণী | মৃগশিরা | আর্দ্রা | পুনর্বসু | পুষ্যা | অশ্লেষা | মঘা |
| পূ ফালগুণী | উ ফালগুণী | হস্তা | চিত্রা | স্বাতী | বিশাখা | অনুরাধা | জ্যেষ্ঠা | মূলা |
| পূর্বাষাঢ়া | উত্তরাষাঢ়া | শ্রবণা | ধনিষ্ঠা | শতভিষা | পূ ভাদ্রপদ | উ ভাদ্রপদ | রেবতী | অশ্বিনী |

চলিত কুন্ডলী



লগ্ন চলিত



বিংশোত্তরী দশা

ভোগ্য দশা : শুক্র 5 বর্ষ 4 মাস 13 দিন

| শুক্র 20 বর্ষ | রবি 6 বর্ষ | চং 10 বর্ষ | মং 7 বর্ষ | রাহু 18 বর্ষ |
|-----------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 05/03/1987 | 17/07/1992 | 18/07/1998 | 17/07/2008 | 18/07/2015 |
| 17/07/1992 | 18/07/1998 | 17/07/2008 | 18/07/2015 | 17/07/2033 |
| 00/00/0000 | রবি 04/11/1992 | চং 18/05/1999 | মং 13/12/2008 | রাহু 30/03/2018 |
| 00/00/0000 | চং 05/05/1993 | মং 17/12/1999 | রাহু 01/01/2010 | বৃহ 23/08/2020 |
| 00/00/0000 | মং 10/09/1993 | রাহু 17/06/2001 | বৃহ 08/12/2010 | শনি 30/06/2023 |
| 00/00/0000 | রাহু 05/08/1994 | বৃহ 17/10/2002 | শনি 16/01/2012 | বুধ 16/01/2026 |
| 00/00/0000 | বৃহ 24/05/1995 | শনি 17/05/2004 | বুধ 13/01/2013 | কেতু 03/02/2027 |
| 05/03/1987 | শনি 05/05/1996 | বুধ 17/10/2005 | কেতু 11/06/2013 | শুক্র 03/02/2030 |
| শনি 17/07/1988 | বুধ 11/03/1997 | কেতু 18/05/2006 | শুক্র 11/08/2014 | রবি 29/12/2030 |
| বুধ 18/05/1991 | কেতু 17/07/1997 | শুক্র 16/01/2008 | রবি 17/12/2014 | চং 29/06/2032 |
| কেতু 17/07/1992 | শুক্র 18/07/1998 | রবি 17/07/2008 | চং 18/07/2015 | মং 17/07/2033 |

| বৃহ 16 বর্ষ | শনি 19 বর্ষ | বুধ 17 বর্ষ | কেতু 7 বর্ষ | শুক্র 20 বর্ষ |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 17/07/2033 | 17/07/2049 | 17/07/2068 | 17/07/2085 | 17/07/2092 |
| 17/07/2049 | 17/07/2068 | 17/07/2085 | 17/07/2092 | 00/00/0000 |
| বৃহ 04/09/2035 | শনি 20/07/2052 | বুধ 14/12/2070 | কেতু 13/12/2085 | শুক্র 17/11/2095 |
| শনি 18/03/2038 | বুধ 30/03/2055 | কেতু 11/12/2071 | শুক্র 13/02/2087 | রবি 16/11/2096 |
| বুধ 23/06/2040 | কেতু 08/05/2056 | শুক্র 11/10/2074 | রবি 20/06/2087 | চং 18/07/2098 |
| কেতু 30/05/2041 | শুক্র 09/07/2059 | রবি 17/08/2075 | চং 19/01/2088 | মং 17/09/2099 |
| শুক্র 29/01/2044 | রবি 20/06/2060 | চং 16/01/2077 | মং 17/06/2088 | রাহু 17/09/2102 |
| রবি 16/11/2044 | চং 19/01/2062 | মং 13/01/2078 | রাহু 05/07/2089 | বৃহ 18/05/2105 |
| চং 18/03/2046 | মং 28/02/2063 | রাহু 01/08/2080 | বৃহ 11/06/2090 | শনি 06/03/2107 |
| মং 22/02/2047 | রাহু 04/01/2066 | বৃহ 07/11/2082 | শনি 21/07/2091 | 00/00/0000 |
| রাহু 17/07/2049 | বৃহ 17/07/2068 | শনি 17/07/2085 | বুধ 17/07/2092 | 00/00/0000 |

❖ উপরোক্ত দশা চন্দ্রের অংশ আধারিত । ভয়াত ভভোগ আধারিত দশা ভোগ্যকাল শুক্র ৫ ব ৫ মা ৩ দি হয় ।

❖ উপরোক্ত তিথি দশা সমাপ্তির সময় । বিংশোত্তরী দশা পুরো ১২০ বর্ষের বর্ধিত, আয়ুনির্ণয় ব্যতীত ।

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

| রাহু - শনি | | রাহু - বুধ | | রাহু - কেতু | | রাহু - শুক্র | | রাহু - রবি | |
|-------------------|------------|-------------------|------------|-------------------|------------|-------------------|------------|-------------------|------------|
| 23/08/2020 | | 30/06/2023 | | 16/01/2026 | | 03/02/2027 | | 03/02/2030 | |
| 30/06/2023 | | 16/01/2026 | | 03/02/2027 | | 03/02/2030 | | 29/12/2030 | |
| শনি | 03/02/2021 | বুধ | 08/11/2023 | কেতু | 07/02/2026 | শুক্র | 05/08/2027 | রবি | 20/02/2030 |
| বুধ | 01/07/2021 | কেতু | 02/01/2024 | শুক্র | 12/04/2026 | রবি | 29/09/2027 | চং | 19/03/2030 |
| কেতু | 31/08/2021 | শুক্র | 05/06/2024 | রবি | 01/05/2026 | চং | 29/12/2027 | মং | 07/04/2030 |
| শুক্র | 20/02/2022 | রবি | 22/07/2024 | চং | 02/06/2026 | মং | 02/03/2028 | রাহু | 26/05/2030 |
| রবি | 13/04/2022 | চং | 07/10/2024 | মং | 25/06/2026 | রাহু | 13/08/2028 | বৃহ | 09/07/2030 |
| চং | 09/07/2022 | মং | 01/12/2024 | রাহু | 21/08/2026 | বৃহ | 07/01/2029 | শনি | 30/08/2030 |
| মং | 08/09/2022 | রাহু | 19/04/2025 | বৃহ | 11/10/2026 | শনি | 29/06/2029 | বুধ | 16/10/2030 |
| রাহু | 11/02/2023 | বৃহ | 21/08/2025 | শনি | 11/12/2026 | বুধ | 01/12/2029 | কেতু | 04/11/2030 |
| বৃহ | 30/06/2023 | শনি | 16/01/2026 | বুধ | 03/02/2027 | কেতু | 03/02/2030 | শুক্র | 29/12/2030 |
| রাহু - চং | | রাহু - মং | | বৃহ - বৃহ | | বৃহ - শনি | | বৃহ - বুধ | |
| 29/12/2030 | | 29/06/2032 | | 17/07/2033 | | 04/09/2035 | | 18/03/2038 | |
| 29/06/2032 | | 17/07/2033 | | 04/09/2035 | | 18/03/2038 | | 23/06/2040 | |
| চং | 13/02/2031 | মং | 21/07/2032 | বৃহ | 29/10/2033 | শনি | 29/01/2036 | বুধ | 13/07/2038 |
| মং | 16/03/2031 | রাহু | 17/09/2032 | শনি | 02/03/2034 | বুধ | 08/06/2036 | কেতু | 30/08/2038 |
| রাহু | 07/06/2031 | বৃহ | 07/11/2032 | বুধ | 20/06/2034 | কেতু | 01/08/2036 | শুক্র | 15/01/2039 |
| বৃহ | 19/08/2031 | শনি | 07/01/2033 | কেতু | 04/08/2034 | শুক্র | 02/01/2037 | রবি | 26/02/2039 |
| শনি | 13/11/2031 | বুধ | 02/03/2033 | শুক্র | 12/12/2034 | রবি | 18/02/2037 | চং | 06/05/2039 |
| বুধ | 30/01/2032 | কেতু | 24/03/2033 | রবি | 20/01/2035 | চং | 06/05/2037 | মং | 23/06/2039 |
| কেতু | 02/03/2032 | শুক্র | 27/05/2033 | চং | 26/03/2035 | মং | 29/06/2037 | রাহু | 25/10/2039 |
| শুক্র | 01/06/2032 | রবি | 15/06/2033 | মং | 11/05/2035 | রাহু | 14/11/2037 | বৃহ | 13/02/2040 |
| রবি | 29/06/2032 | চং | 17/07/2033 | রাহু | 04/09/2035 | বৃহ | 18/03/2038 | শনি | 23/06/2040 |
| বৃহ - কেতু | | বৃহ - শুক্র | | বৃহ - রবি | | বৃহ - চং | | বৃহ - মং | |
| 23/06/2040 | | 30/05/2041 | | 29/01/2044 | | 16/11/2044 | | 18/03/2046 | |
| 30/05/2041 | | 29/01/2044 | | 16/11/2044 | | 18/03/2046 | | 22/02/2047 | |
| কেতু | 13/07/2040 | শুক্র | 08/11/2041 | রবি | 12/02/2044 | চং | 26/12/2044 | মং | 07/04/2046 |
| শুক্র | 07/09/2040 | রবি | 27/12/2041 | চং | 08/03/2044 | মং | 24/01/2045 | রাহু | 28/05/2046 |
| রবি | 24/09/2040 | চং | 18/03/2042 | মং | 25/03/2044 | রাহু | 07/04/2045 | বৃহ | 12/07/2046 |
| চং | 23/10/2040 | মং | 14/05/2042 | রাহু | 07/05/2044 | বৃহ | 11/06/2045 | শনি | 04/09/2046 |
| মং | 12/11/2040 | রাহু | 07/10/2042 | বৃহ | 15/06/2044 | শনি | 27/08/2045 | বুধ | 23/10/2046 |
| রাহু | 02/01/2041 | বৃহ | 14/02/2043 | শনি | 01/08/2044 | বুধ | 04/11/2045 | কেতু | 11/11/2046 |
| বৃহ | 16/02/2041 | শনি | 18/07/2043 | বুধ | 11/09/2044 | কেতু | 02/12/2045 | শুক্র | 07/01/2047 |
| শনি | 11/04/2041 | বুধ | 03/12/2043 | কেতু | 28/09/2044 | শুক্র | 21/02/2046 | রবি | 24/01/2047 |
| বুধ | 30/05/2041 | কেতু | 29/01/2044 | শুক্র | 16/11/2044 | রবি | 18/03/2046 | চং | 22/02/2047 |

বিংশোত্তরী দশা - প্রত্যন্তর

| | | | | |
|-------------------|-------------------|--------------------|-------------------|--------------------|
| বৃহ - রাহু | শনি - শনি | শনি - বুধ | শনি - কেতু | শনি - শুক্র |
| 22/02/2047 | 17/07/2049 | 20/07/2052 | 30/03/2055 | 08/05/2056 |
| 17/07/2049 | 20/07/2052 | 30/03/2055 | 08/05/2056 | 09/07/2059 |
| রাহু 03/07/2047 | শনি 07/01/2050 | বুধ 06/12/2052 | কেতু 23/04/2055 | শুক্র 17/11/2056 |
| বৃহ 28/10/2047 | বুধ 12/06/2050 | কেতু 02/02/2053 | শুক্র 29/06/2055 | রবি 14/01/2057 |
| শনি 15/03/2048 | কেতু 15/08/2050 | শুক্র 16/07/2053 | রবি 20/07/2055 | চং 20/04/2057 |
| বুধ 17/07/2048 | শুক্র 14/02/2051 | রবি 03/09/2053 | চং 22/08/2055 | মং 26/06/2057 |
| কেতু 06/09/2048 | রবি 10/04/2051 | চং 24/11/2053 | মং 15/09/2055 | রাহু 17/12/2057 |
| শুক্র 30/01/2049 | চং 11/07/2051 | মং 20/01/2054 | রাহু 15/11/2055 | বৃহ 20/05/2058 |
| রবি 15/03/2049 | মং 13/09/2051 | রাহু 16/06/2054 | বৃহ 08/01/2056 | শনি 19/11/2058 |
| চং 27/05/2049 | রাহু 25/02/2052 | বৃহ 26/10/2054 | শনি 12/03/2056 | বুধ 02/05/2059 |
| মং 17/07/2049 | বৃহ 20/07/2052 | শনি 30/03/2055 | বুধ 08/05/2056 | কেতু 09/07/2059 |
| শনি - রবি | শনি - চং | শনি - মং | শনি - রাহু | শনি - বৃহ |
| 09/07/2059 | 20/06/2060 | 19/01/2062 | 28/02/2063 | 04/01/2066 |
| 20/06/2060 | 19/01/2062 | 28/02/2063 | 04/01/2066 | 17/07/2068 |
| রবি 26/07/2059 | চং 07/08/2060 | মং 12/02/2062 | রাহু 03/08/2063 | বৃহ 07/05/2066 |
| চং 24/08/2059 | মং 10/09/2060 | রাহু 13/04/2062 | বৃহ 20/12/2063 | শনি 01/10/2066 |
| মং 13/09/2059 | রাহু 05/12/2060 | বৃহ 06/06/2062 | শনি 02/06/2064 | বুধ 09/02/2067 |
| রাহু 04/11/2059 | বৃহ 20/02/2061 | শনি 09/08/2062 | বুধ 27/10/2064 | কেতু 04/04/2067 |
| বৃহ 20/12/2059 | শনি 23/05/2061 | বুধ 06/10/2062 | কেতু 27/12/2064 | শুক্র 05/09/2067 |
| শনি 13/02/2060 | বুধ 13/08/2061 | কেতু 29/10/2062 | শুক্র 18/06/2065 | রবি 21/10/2067 |
| বুধ 03/04/2060 | কেতু 16/09/2061 | শুক্র 05/01/2063 | রবি 09/08/2065 | চং 06/01/2068 |
| কেতু 23/04/2060 | শুক্র 21/12/2061 | রবি 25/01/2063 | চং 04/11/2065 | মং 29/02/2068 |
| শুক্র 20/06/2060 | রবি 19/01/2062 | চং 28/02/2063 | মং 04/01/2066 | রাহু 17/07/2068 |
| বুধ - বুধ | বুধ - কেতু | বুধ - শুক্র | বুধ - রবি | বুধ - চং |
| 17/07/2068 | 14/12/2070 | 11/12/2071 | 11/10/2074 | 17/08/2075 |
| 14/12/2070 | 11/12/2071 | 11/10/2074 | 17/08/2075 | 16/01/2077 |
| বুধ 19/11/2068 | কেতু 04/01/2071 | শুক্র 31/05/2072 | রবি 26/10/2074 | চং 29/09/2075 |
| কেতু 09/01/2069 | শুক্র 05/03/2071 | রবি 22/07/2072 | চং 21/11/2074 | মং 30/10/2075 |
| শুক্র 05/06/2069 | রবি 23/03/2071 | চং 16/10/2072 | মং 09/12/2074 | রাহু 15/01/2076 |
| রবি 19/07/2069 | চং 22/04/2071 | মং 16/12/2072 | রাহু 25/01/2075 | বৃহ 24/03/2076 |
| চং 30/09/2069 | মং 14/05/2071 | রাহু 20/05/2073 | বৃহ 07/03/2075 | শনি 14/06/2076 |
| মং 20/11/2069 | রাহু 07/07/2071 | বৃহ 05/10/2073 | শনি 25/04/2075 | বুধ 26/08/2076 |
| রাহু 01/04/2070 | বৃহ 24/08/2071 | শনি 18/03/2074 | বুধ 08/06/2075 | কেতু 26/09/2076 |
| বৃহ 27/07/2070 | শনি 21/10/2071 | বুধ 11/08/2074 | কেতু 26/06/2075 | শুক্র 21/12/2076 |
| শনি 14/12/2070 | বুধ 11/12/2071 | কেতু 11/10/2074 | শুক্র 17/08/2075 | রবি 16/01/2077 |

শুভাশুভ জ্ঞান

শুভাশুভজ্ঞান আপনাকে নিজের মিত্র এবং শত্রু সম্বন্ধে সজাগ করায়। মূলাক্ষ, ভাগ্যাক্ষ এবং মিত্রাঙ্কর সহিত মিত্রতা এবং অংশীদারি করলে লাভ তথা সহযোগ প্রাপ্তি হবে। শুভ দিন এবং বর্ষ উন্নতি কারক তথা শুভ গ্রহের দশা লাভদায়ক। সেরূপ মিত্রলগ্ন এবং মিত্ররাশির ঘনিষ্ঠতা লাভদায়ক।

শুভরত্ন, শুভ ধাতু এবং শুভ রং ধারণ করলে শারীরিক এবং মানসিক সুস্থতা থাকে, ভাগ্য রত্ন ধারণ করলে সৌভাগ্য বৃদ্ধি হয়। শুভ সময়ে কার্য প্রারম্ভ করলে সফলতা প্রাপ্তি হয়। সাথে-সাথে ইন্টদেবের ধ্যান এবং জপ মানসিক শান্তি তথা সফলতা প্রদান করে। শুভ পদার্থ-অন্ন, দ্রব্য ইত্যাদির দান অথবা ব্যবসায় শুভ দিকে শুরু করলে বাঞ্ছিত ফললাভ প্রাপ্ত হয়। এইরূপ শুভাশুভজ্ঞানের দৈনন্দিন জীবনে প্রয়োগ শুভফলদায়ক।

| | |
|--------------|-------------------------|
| মূলাক্ষ | 5 |
| ভাগ্যাক্ষ | 6 |
| মিত্র অক্ষ | 3, 5, 9, 6 |
| শত্রু অক্ষ | 2, 4, 8 |
| শুভ বর্ষ | 23,32,41,50,59 |
| শুভ দিন | সোম, মঙ্গ, বৃহ |
| শুভ গ্রহ | চন্দ্র, মঙ্গল, বৃহস্পতি |
| মিত্র রাশি | কর্কট, ধনু |
| মিত্র লগ্ন | মিথুন, বৃশ্চিক, মকর |
| অনুকূল দেবতা | হনুমান |
| শুভ রত্ন | পোখরাজ |
| শুভ উপরত্ন | টোপাজ, হলুদ হকীক |
| ভাগ্য রত্ন | প্রবাল |
| শুভ ধাতু | কাংস |
| শুভ রং | পীত |
| শুভ দিক্ | পূর্বোত্তর |
| শুভ সময় | সন্ধ্যা |
| দান পদার্থ | হলুদ, পুস্তক, পীত পুষ্প |
| দান অন্ন | ডাল ছোলা |
| দান দ্রব্য | ঘী |

গ্রহ ফল

রবি

আপনার জন্মের সময় কুন্তরাশি দ্বাদশস্থানে রবি অবস্থিত হওয়ার ফলে আপনি প্রচুর অর্থ উপার্জনে সক্ষম হবেন। কিন্তু এর অধিকাংশই আপনার মামালা মোকদ্দমায় খরচ হবে।

যদিও আপনার মীনলগ্নের দ্বারা কোন রূপ বাধা বিঘ্নের আশঙ্কা নেই কিন্তু রবির অবস্থান - দ্বাদশতম স্থানে হওয়ায় রাজনীতির ক্ষেত্রে আপনার বাধা বিঘ্নের ইংগিত দেখাচ্ছে। আপনি খুব সম্ভবত রাজনীতিতে বেশী আগ্রহী হবেন এবং কখনও কখনও আপনি রাজনীতির মধ্যে সময়ে কাটাতে চাইবেন। কোন রূপ কর সংক্রান্ত সমস্যা আপনার হতে পারে, যা আপনাকে ব্যস্ত রাখতে পারে। কদাচিৎ কোন ভ্রমণ ঘটতেও পারে।

মামলা সংক্রান্ত বা পেশাগত কারণে আপনাকে দেশের মধ্যেই যেতে হতে পারে ভ্রমণে হাডের চিড় বা দুর্ঘটনা জনিত কারণে হাসপাতালে ভর্তি হতে পারেন। বাঁ দিকের চোখের দৃষ্টি ডান দিকের তুলনায় খারাপ হয়ে যাবার সম্ভাবনা আছে

আপনার জন্মের সময় সূর্য্য দ্বাদশস্থানে অবস্থান করায় আপনার পিতার স্বাস্থ্য স্বাভাবিক থাকবে তবে কোন সময়ে শারীরিক দুর্বলতা অনুভব করতে পারেন। তিনি আপনাকে দাতব্য কাজে অনুপ্রাণিত করবেন।

আপনি আপনার পিতাকে সম্মান করবেন। আপনাদের মধ্যে সুসম্পর্ক বজায় থাকলেও কোন ব্যাপারে মতপার্থক্য দেখা দিতে পারে তবে তা ক্ষণস্থায়ী হবে। আপনারা একে অপরের প্রতি যত্নবান হবেন।

চন্দ্র

মেষরাশি দ্বিতীয়স্থানে চন্দ্রের অবস্থান ইংগিত করে যে আপনি প্রতিভা ও পরিশ্রমের দ্বারা যথেষ্ট অর্থ উপার্জন করবেন। আপনি গার্হস্থ্য জীবনে সুখ উপভোগ করবেন। আপনি দীর্ঘায়ু হবেন। পৈতৃক সম্পত্তি দ্বারা উপকৃত হবেন।

লগ্নী এবং আনন্দের মাধ্যমে আপনি লাভবান হবেন। আপনি ভাগ্যবান। ফাটকা-জুয়ার মাধ্যমেও আপনার অর্থ আসে। আপনার অর্থনৈতিক অবস্থা মোটামুটি ভাল হবে। আপনার বিভিন্ন ভাষায় জ্ঞান থাকবে। আপনার চোখ হবে স্বচ্ছ।

আপনার জন্মের সময় চন্দ্রের দ্বিতীয় স্থানে অবস্থানের দরুন আপনার মায়ের স্বাস্থ্য ভাল থাকবে। আপনার মা আপনাকে জ্ঞান ও অর্থ উপার্জনে সহযোগীতা করবেন। আপনার অগ্রগতি ও সাফল্যে তিনি গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা নেবেন। তিনি আপনাকে নৈতিক দিক দিয়ে শিক্ষিত করে তুলবেন এবং অনেক গুরুত্বপূর্ণ কাজে সাহায্য করবেন।

আপনার মা আপনাকে একজন নিষ্ঠাবান এবং আজীবন পুত্র রূপে পাবেন। আপনি তাঁকে আর্থিক দিক দিয়ে সহযোগীতা করবেন। আপনারা পরস্পরকে ভালভাবে কাছে পাবেন এবং একে অপরের সহযোগীতায় সুখী জীবনযাপন করবেন।

মঙ্গল

মেঘরাশি দ্বিতীয়স্থানে মঙ্গলের অবস্থান ইংগিত করে যে আপনি অধিক অর্থ জমা করবার মত যথেষ্ট ভাগ্যবান। আপনার ভাগ্য ভাল, কিন্তু পারিবারিক ব্যাপারে এবং অন্যান্য বিষয়ে আপনি দুশ্চিন্তা করেন। আপনি ঝটপট কথা বলেন এবং কখনো সখনো খুব ককর্শভাবে কথা বলেন।

আপনি দীর্ঘজীবন লাভে ধন্য হবেন এবং উত্তরাধিকার সূত্রে সম্পত্তি পাবেন। আপনি ধনী জীবনযাপন করবেন। যেহেতু আপনি স্বচ্ছল এবং ধনবান, তাই আপনি ভাগ্যবান এবং ধার্মিক। কোন ধর্মীয় অনুষ্ঠান উত্থাপন করার আগে প্রথমেই আপনি আপনার লাভের ব্যাপারে খোঁজ নেন। আপনি পূজাতে বিশ্বাসী। অর্থ আপনার কাছে তৈরী হয়েই আসে। আপনার সম্মানের দিকে আপনি খেয়াল রাখেন। আপনি বিদেশী এবং অজানা মানুষের সংগ পেয়ে ভাগ্যবান। আপনি পাপের দিকে ঝুঁকবেন।

এই শিশুটির জন্ম সময়ে মঙ্গল ছিল দ্বিতীয় ঘরে যা আভাস দেয় যে তার ভাই বোনদের স্বাস্থ্য ঠিক থাকবে। কিন্তু মাঝে মধ্যে তারা অসুস্থ ও দুর্বলতা অনুভব করবে। তারা তাকে সম্ভাব্য সকল উপায়ে সাহায্য ও সহযোগিতা করবে।

সে তাদের ভালোবাসবে এবং তারা মিলেমিশে থাকবে। কিন্তু তাদের মধ্যে মাঝে মাঝে বিবাদ এবং মতের অমিল হবে। এই মানসিক উদ্বেগ বেশীক্ষণ সহ্যী হবে না এবং নিষ্ঠার সঙ্গে সে তাদের দেখাশোনা করবে।

বুধ

কুম্ভরাশির দ্বাদশস্থানে বুধ অবস্থিত হওয়ার ফলে আপনি যথেষ্ট পরিমাণ অর্থ ঘরের সরঞ্জাম যেমনগাড়ী বা অন্যান্য মূল্যবান সামগ্রী কেনার পেছনে খরচ করবেন। আপনি আপনার জীবনসংগীর জন্য ও ফাটকাবাজীতে ও অর্থ খরচ করবেন। আপনি অর্থ জমাতে সক্ষম হবেন, যদিও অর্থের অভাব সব সময়ই আপনার থাকবে।

আত্মীয়স্বজনদের সঙ্গে মামলা মোকদ্দমার ক্ষেত্রে কিছুটা বাধা বিঘ্নের আভাস পাওয়া যাচ্ছে।

যদি ও মীনলগ্নু কোনোরূপ হাসপাতালে ভর্তির আভাস দেয় না কিন্তু বুধের অবস্থান দ্বাদশতমস্থানে হওয়ায় দেখা যাচ্ছে যে আপনার জীবনসংগীকে হয়তো কোনো কারনে হাসপাতালে ভর্তি করাতে হতে পারে।

বৃহস্পতি

আপনি কোথাও ছুটি কাটাতে গেলে জলের উপর দিয়ে ভ্রমণ করতে ভালবাসেন। আপনি এত ভাগ্যবান যে সারাজীবন ধরে আপনি সুখে ও আরামে কাটিয়ে দেবেন।

শুক্র

আপনার জন্মের সময়ে মকররাশি একাদশস্থানে শুক্র অবস্থিত থাকায় আপনি আশা ও লক্ষ্য

পূরণ করতে সমর্থ হবেন। এক মহিলার তরফ থেকে আপনার লাভবান হবার সম্ভাবনা আছে। আপনাদের মধ্যে যারা সুগন্ধী দ্রব্যের সাথে ব্যবসায়িকভাবে যুক্ত তারা অনেক লাভবান হতে পারবেন।

আপনি খুব সামাজিক হবেন, বন্ধুবান্ধবের সংগ খুব পছন্দ করেন। সামাজিক এবং দয়ালু বন্ধুবান্ধব আপনি খুব পছন্দ করেন। আপনার বন্ধুদের মধ্যে অভিনেতাও থাকবে। সমাজে আপনি খুব জনপ্রিয় হবেন। বন্ধুদের মধ্যে ধনী ব্যক্তি এবং জনপ্রিয় অভিনেতাও থাকবে।

শনি

শনির অবস্থান বৃশ্চিকের নবমস্থানে হওয়ার ফলে দেখা যায় যে আপনি লক্ষ্যে পৌঁছাতে অনেক বাধার সম্মুখীন হবেন। আপনি কঠোর শ্রম করেন কিন্তু ভাগ্য আপনার সহায় হয় না। অর্থ আপনার কাছে সহজভাবেই আসবে, কিন্তু তারপরেও আপনাকে বাধা ডিঙাতে হবে।

যদিও মীনলগ্ন এই ইংগিত করে যে আপনি ভ্রমণের দিক থেকে সফল, কিন্তু শনির অবস্থানের জন্য ভ্রমণ আপনার ক্ষেত্রে এক কষ্টকর যাত্রা হয়ে উঠবে।

রাহু

প্রথমস্থানে রাহুর অবস্থান থাকায় আপনাকে আত্ম-অভিব্যক্তির অসীম সুযোগ দিয়ে আপনার ব্যক্তিত্বের ক্ষমতা বাড়িয়ে তোলে, এটাকে আপনার উন্নতির জন্য আরো কাজে লাগাবার বদলে আপনি একে বিপরীত লিঙ্গের সদস্যদের নজর কাড়তে ব্যবহার করা পছন্দ করেন, কারণ বিপরীত লিঙ্গের প্রতি আপনার অনুরাগ বেশী। যদি এরূপ করেন, তবে জীবনের সর্বশ্রেষ্ঠ সুযোগ হাত ফসেক চলে যাবে এবং সবসময় প্রেমজগতে বিচরন করবেন। যে কোন মূল্যে এই যৌন উদ্দামতাকে থামান, কারণ আপনি হয়তো কোন ধর্মীয়সংস্কার মাধ্যমে ধনার্জন করবেন। একটু নম্র- ভদ্র মনোভাব আপনাকে অবশ্যই আরো সুখী এবং উজ্জ্বলময় জীবনদান করবে।

কেতু

কন্যারশি সপ্তমস্থানে কেতুর অবস্থান দুর্ভাগ্যবশতঃ আপনার জন্য আদৌ সহায়ক নয়। খারাপ দিকটা হল জীবনসাথীকে নিয়ে আপনার বিবাহ সুখের হবে না, যা আপনার নিজের কণ্ঠের সঙ্গে আরো দুঃখ যোগ করবে। যদি সুখের খোঁজে অন্যের সঙ্গে অসৎ সম্পর্ক রাখেন তবে দুঃখ আরো বেড়ে যাবে। সুতরাং যে কোন বাধাই আসুক মনকে সংসারের প্রতি একনিষ্ঠ করে রাখুন যাতে শান্তিময় হয়ে ওঠে আপনার গৃহ।

অমিতব্যয়িতার কারণে দেনায় পড়তে পারেন। কিন্তু এসব এড়াতে ব্যবসা করার কথা ভাবুন। কিন্তু কাউকে সংগী করে ব্যবসা করা থেকে অত্যন্ত সাবধান হোন, এতে আপনার ব্যবসা নষ্ট হয়ে যাবে।

সাড়েসাতী বিচার

শনির সাড়েসাতীর প্রভাব দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের সাহায্যে কমানো সম্ভব। রত্ন পরিধান করার পূর্বে দুধ ও গঙ্গাজলে পরিষ্কার করে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে। শনি দ্বাদশ, প্রথম এবং দ্বিতীয় স্থান অতিক্রম করলে তবেই কোন জন্মকুণ্ডলীতে সাড়েসাতীর প্রভাব পরিলক্ষিত হয়। শনি নাটাল চন্দ্রের চতুর্থ ও অষ্টম স্থান অতিক্রম করার ফলে ঠেয়ার প্রভাব দেখা যায়। সাড়েসাতীর প্রভাব বিদ্যমান হয় সাড়ে সাত বছর এবং ঠেয়ার প্রভাব বিদ্যমান হয় আড়াই বছর। সাধারণতঃ এটি শরীর, মানসিক শাস্তি এবং অর্থনৈতিক অবস্থা বিঘ্নিত করে।

সাধারণতঃ সাড়েসাতী যে কোনো জন্মকুণ্ডলী তিনবার পরিভ্রমণ করে প্রথম-বাল্যকালে দ্বিতীয়-যৌবনকালে তৃতীয় - বৃদ্ধ বয়সে, প্রথম সাড়েসাতী শিক্ষা ও পিতা মাতাকে প্রভাবিত করে। দ্বিতীয় সাড়েসাতী জীবিকা অর্থ এবং পারিবারকে প্রভাবিত করে। শেষ সাড়েসাতী স্বাস্থ্যকে প্রভাবিত করে।

নিম্ন লিখিত সারণীতে সাড়েসাতীর পর্যায় এবং তার প্রভাব বর্ণিত হল।

প্রথম চক্র

| | | | |
|--------------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া | 05/03/1987-17/12/1987 | ----- | ----- |
| সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া | 02/06/1995-10/08/1995 | 16/02/1996-17/04/1998 | ----- |
| সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া | 17/04/1998-07/06/2000 | ----- | ----- |
| সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া | 07/06/2000-23/07/2002 | 08/01/2003-07/04/2003 | ----- |
| চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া | 06/09/2004-13/01/2005 | 26/05/2005-01/11/2006 | 10/01/2007-16/07/2007 |

দ্বিতীয় চক্র

| | | | |
|--------------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া | 02/11/2014-26/01/2017 | 21/06/2017-26/10/2017 | ----- |
| সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া | 29/03/2025-03/06/2027 | 03/06/2027-23/02/2028 | ----- |
| সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া | 03/06/2027-03/06/2027 | 23/02/2028-08/08/2029 | 05/10/2029-17/04/2030 |
| সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া | 08/08/2029-05/10/2029 | 17/04/2030-31/05/2032 | ----- |
| চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া | 13/07/2034-27/08/2036 | ----- | ----- |

তৃতীয় চক্র

| | | | |
|--------------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া | 11/12/2043-23/06/2044 | 30/08/2044-08/12/2046 | ----- |
| সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া | 14/05/2054-02/09/2054 | 05/02/2055-07/04/2057 | ----- |
| সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া | 07/04/2057-27/05/2059 | ----- | ----- |
| সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া | 27/05/2059-11/07/2061 | 13/02/2062-07/03/2062 | ----- |
| চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া | 24/08/2063-06/02/2064 | 09/05/2064-13/10/2065 | 03/02/2066-03/07/2066 |

শনির ঠেয়া ফল

| ঠেয়ার প্রকার | ফল | ক্ষেত্র |
|--------------------------|------|-------------|
| অষ্টম স্থানস্থ ঠেয়া | সম | বদনাম |
| সাড়েসাতী প্রথম ঠেয়া | সম | স্বাস্থ্য |
| সাড়েসাতী দ্বিতীয় ঠেয়া | অশুভ | ধন |
| সাড়েসাতী তৃতীয় ঠেয়া | শুভ | পরাক্রম |
| চতুর্থ স্থানস্থ ঠেয়া | সম | সন্তান কণ্ঠ |

সাড়েসাতীর উপায়

দান পূজা অনাহার এবং মন্ত্র উচ্চারণের মাধ্যমে সাড়েসাতীর প্রভাব সীমিত করা সম্ভব। দান সামগ্রীর মধ্যে কালো বস্ত্র কালো কলাই, চামড়ার জুতো, শস্য দানা ইত্যাদি উল্লেখযোগ্য। শনিবার অনাহার করে শনির পূজা করা উচিত এবং পরে গম, গমের আটা, ফল, কালো নুন, কালো কলাই ইত্যাদি আহার করা উচিত। শনিবার নিজে অথবা ব্রাহ্মণের মাধ্যমে ১৯০০০ বার।

ॐ প্রাং প্রং প্রৌং সঃ শনৈশ্চরায় নমঃ ।।

মন্ত্র, উচ্চারণ করা দরকার স্বাস্থ্য মানসিক শান্তি, পরিবারের সুখ, অর্থ এবং জীবিকার উপর সাড়েসাতীর শুভপ্রভাব লাভের জন্য মহামৃত্যুঞ্জয় মন্ত্র উচ্চারণ করলে সুফল পাওয়া যেতে পারে। ১২৫০০০ বার এই মন্ত্রটি উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ ত্রযংবকম যজামহে সুগন্ধিং পুষ্টিবর্ধনম্।

উবার্গকমিব বন্ধনাম্মৃত্যোর্মুক্ষীয় মা মৃতাত।।

রত্ন পরিধানের পূর্বে এটি দুধ এবং গঙ্গাজলে ধুয়ে ধূপ জালিয়ে পূজা এবং ১০৮ বার মন্ত্র উচ্চারণ করতে হবে।

ॐ হোং জুং স ॐ ভূর্ভুব স্ব ॐ।।

শনির সাড়েসাতীর শুভত্ব যাড়ানোর জন্য শনি যারের দিন আপনি ঘোড়ার নাল বা নৌকার পেরেক দিয়ে তৈরী লোহার আংটা ধারণ করুন। আপনি নীলা বস্ত্র যাহিষ্কার করুন, কারণ শনি আপনার ঠিকুজীতে যোগকারক গ্রহ নয়। লোহার আংটা ডানহাতে মধ্যমা আঙুলে ধারণ করুন।

শনিবার শুক্ল পক্ষে সূর্যোৎস-র পূর্বে রত্ন পরিধানের শুভ সময়। এদিন পুষ-্যা, অনুরাধা, উত্তরা ভাদ্রপদ নক্ষত্র গুলি শুভ। শনিবার উপোস থাকা জরুরি।

ॐ শং শনৈশ্চরায় নম ।

অঙ্গুষ্ঠী ধারণ করলে শনির বস্ত্র দান করা উচিত। শনির অশুভ প্রভাব কম হবে তথা আপনার সুখ শান্তি এবং সমৃদ্ধি বৃদ্ধি হবে। ডড্রডশডড্রডশশ্রী হনুমান চালীসা এবং শ্রী হনুমান অষ্টক পাঠ করা শ্রেষ্ঠ।